# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| दैनिक भास्कर | 1-1-24 | 1 | 2-6 |

**आरंभ 2024** एग्री टूरिज्म सेंटर में ओरनामेंटल फिश एक्वेरियम, डैकोरेटिव वाटर पूल, फूड कोर्ट भी बनेगा

# एचएयू में प्रदेश का सबसे बड़ा सब्जियों का ग्राफ्टिंग सेंटर बना

यशपाल सिंह | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नए साल में एग्री टूरिज्म सेंटर आमजन के लिए बनकर तैयार हो जाएगा। इसमें ओरनामेंटल फिश एक्वेरियम, डैकोरेटिव वाटर पूल, ओपन एयर थियेटर और फूड कोर्ट भी होगा। यूनिवर्सिटी कैंपस में प्रदेश का सबसे बड़ा सब्जियों का ग्राफ्टिंग सेंटर भी बनकर तैयार है। यहां ग्राफ्टिंग तकनीक से सब्जियों में नए-नए प्रयोग किए जाएंगे। सेंटर का उद्देश्य ग्राफ्टिंग तकनीक से सब्जियों की जड़ों को बदलकर उसे रोगों से बचाना और बिना रासायनिक खाद के उत्पादन बढ़ाना है।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में ग्राफ्टिंग सेंटर।

## 350 लोगों के बैठने की क्षमता का बनाया जा रहा ओपन एयर थियेटर

एचएयू में बॉटनेकिल गार्डन के साथ एग्रीकल्चर टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए एग्री टूरिज्म सेंटर बनाया जा रहा है। 350 लोगों के बैठने की क्षमता का ओपन एयर थियेटर बनाया जा रहा है। कृषि पर्यटन केन्द्र में बॉटनेकिल गार्डन, प्रोटीन उद्यान, विटामिन गार्डन, औषधीय उद्यान, एक्वाटिक प्लांट गार्डन शामिल हैं। हरियाणवी खानपान के लिए फूड कोर्ट स्थापित किया जा रहा है।

## एक पौधे पर दो सब्जियां ले सकेंगे

एचएयू में प्रदेश का सबसे बड़ा सब्जियों का ग्राफ्टिंग सेंटर बन रहा है। यहां ग्राफ्टिंग तकनीक से सब्जियों में नए-नए प्रयोग किए जाएंगे। इससे नेमोटेड रोग से बंद पड़ी प्रोली हाउस में भी सब्जियों से उत्पादन हो सकेगा। यहां एक पौधे पर दो-दो सब्जी तैयार की जा रही हैं। जापान, कोरिया, स्पेन जैसे देशों में 1920 से ही 80 % सब्जियों का उत्पादन ग्राफ्टिंग से हो रहा है। भारत में अभी यह 5 % भी नहीं है। ग्राफ्टिंग से किसान बेमौसम किसी भी सब्जी का उत्पादन कर सकेंगे। जंगली जड़ों की ग्राफ्टिंग से यहां भी कोई सब्जी उग सकेगी। एचएयू कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि एचएयू में नए साल में एग्री-टूरिज्म सेंटर और ग्राफ्टिंग सेंटर की सौगात मिलेगी। एग्री टूरिज्म सेंटर स्थापित करने का उद्देश्य कृषि अनुसंधानों व प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देना और प्रकृति को स्वच्छ रखने के लिए पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करना है। गुरुग्राम में भी इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट एंड एग्रीप्रेनयोरशिप आरंभ होगा, जहां एमबीए व पीएचडी कोर्स आरंभ किए जाएंगे।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| दैनिक ट्रिब्यून | 1-1-24 | 9 | 1-2 |

## ग्राफ्टिंग यूनिट : किसानों-पशुपालकों के लिए सौगात

हिसार स्थित चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में नए साल में वेजिटेबल ग्राफ्टिंग यूनिट शुरू होगी। राष्ट्रीय कृषि विकास योजना-रफ्तार परियोजना के तहत इस यूनिट के शुरू होने से हरियाणा ही नहीं बल्कि देश में भी निकट भविष्य में ग्राफ्टिंग तकनीक से संबंधित अनुसंधान कार्य और व्यवसायीकरण को बढ़ावा मिलेगा। इस तकनीक के प्रचलन के साथ ही किसानों की आय को भी बढ़ाया जा सकेगा व सब्जी उत्पादकों को विशेष लाभ होगा। इस यूनिट के शुरू होने के बाद विश्वविद्यालय किसानों को ग्राफ्टिंग तकनीक से तैयार पौधे उपलब्ध करवाएगा।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| पंजाब केसरी | 31.12.23 | 1 | 2-3 |

# रैगिंग को जड़ से खत्म करना जरूरी : डॉ. नीरज कुमार

## » विद्यार्थियों को दिलवाई रैगिंग न करने की शपथ

हिसार, 30 दिसम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय रैगिंग रोकने के लिए कई कदम उठा रहा है। इस कड़ी में विश्वविद्यालय के मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय में रैगिंग विरोधी जागरूकता अभियान चलाया गया।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपरोक्त महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार रहे। रैगिंग विरोधी जागरूकता अभियान आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं को रैगिंग विरोधी कानूनों के बारे में जानकारी प्रदान कर उन्हें जागरूक करना था।

मुख्यातिथि डॉ. नीरज कुमार ने शुरुआत में उपस्थित छात्र-छात्राओं को रैगिंग विरोधी शपथ दिलाई। साथ ही कहा कि रैगिंग को जड़ से खत्म करना जरूरी है। इसके लिए सरकारी-गैर सरकारी संगठन, शैक्षिक व गैरशैक्षणिक संस्थान, सरकारी प्राधिकरण व सिविल सोसायटी को एक मंच पर आकर विद्यार्थी वर्ग को रैगिंग से दूर रहने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

शिक्षण संस्थानों में रैगिंग -विरोधी दस्तें व समितियां बनाकर रैगिंग पर निरंतर दृष्टि रखी जा सकती है। मुख्यातिथि ने छात्र-छात्राओं से आह्वान किया कि वे रैगिंग संबंधित कार्यों में शामिल न हों और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

डॉ. कविता शर्मा ने रैगिंग से संबंधित नियमावली पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर उन्होंने हकृवि द्वारा रैगिंग पर अंकुश लगाने के लिए अपनाए जा रहे यूजीसी दिशा-निर्देशों पर भी प्रकाश डाला। मंच संचालन छात्रा सुहानी ने किया। इस अवसर पर प्रभारी डॉ. रचना गुलाटी सहित शिक्षक व गैरशिक्षक कर्मचारी व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों को रैगिंग विरोधी शपथ दिलवाते अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| दैनिक भूमि | 31.12.23 | 15 | 1-5 |

## रैगिंग को जड़ से खत्म करना जरूरी : डॉ. नीरज कुमार

# एचएयू में विद्यार्थियों को दिलाई रैगिंग न करने की शपथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय में रैगिंग विरोधी जागरूकता अभियान चलाया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपरोक्त महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार रहे। रैगिंग विरोधी जागरूकता अभियान आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं को रैगिंग विरोधी कानूनों के बारे में जानकारी प्रदान कर उन्हें जागरूक करना था।

मुख्य अतिथि डॉ. नीरज कुमार ने शनिवार को शुरू हुए इस अभियान के दौरान उपस्थित छात्र-छात्राओं को रैगिंग विरोधी शपथ दिलाई। साथ ही कहा कि रैगिंग को जड़ से खत्म करना जरूरी है। इसके लिए सरकारी-गैर सरकारी संगठन, शैक्षिक व गैरशैक्षणिक संस्थान, सरकारी प्राधिकरण व सिविल सोसाइटी को एक मंच पर आकर विद्यार्थी वर्ग को रैगिंग से दूर रहने के लिए प्रेरित करना चाहिए। शिक्षण संस्थानों में रैगिंग -विरोधी दस्तें व समितियां बनाकर रैगिंग पर निरंतर दृष्टि रखी जा सकती है। मुख्यातिथि ने छात्र-छात्राओं से आह्वान किया कि वे रैगिंग संबंधित कार्यों में शामिल न हो और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

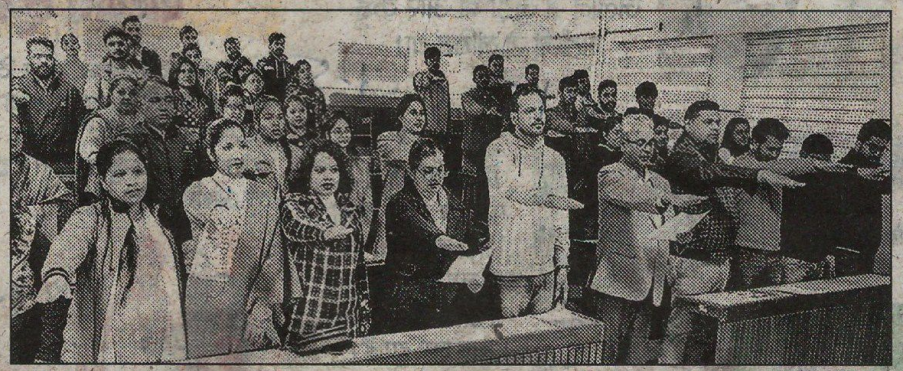

हिसार। मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार विद्यार्थियों को रैगिंग विरोधी शपथ दिलाते हुए। फोटो : हरिभूमि

### रैगिंग से संबंधित नियमावली पर विस्तार से प्रकाश डाला

डॉ. कविता शर्मा ने रैगिंग से संबंधित नियमावली पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने अपने संबोधन में भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा रैगिंग व उसके खिलाफ कानूनों को परिभाषित किया। उन्होंने कहा कि रंग, नस्ल, धर्म, जाति, लिंग, यौन रूझान, रूप-रंग, राष्ट्रीयता, क्षेत्र मूल्य या आर्थिक पृष्ठभूमि सहित किसी भी मामले में छात्र-छात्राओं को शारीरिक व मानसिक रूप से उनका शोषण व दुर्व्यवहार करना रैगिंग की परिभाषा में आता है। इस अवसर पर मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय की प्रभारी डॉ. रचना गुलाटी व सुहानी सहित शिक्षक व गैरशिक्षक कर्मचारी व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| अमर उजाला | 31.12.23 | 3 | 7-8 |

## विद्यार्थियों को दिलाई रैगिंग न करने की शपथ

**हिसार।** चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय में शनिवार को रैगिंग विरोधी जागरूकता अभियान चलाया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार रहे। रैगिंग विरोधी जागरूकता अभियान आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं को रैगिंग विरोधी कानूनों के बारे में जानकारी प्रदान कर उन्हें जागरूक करना था। डॉ. नीरज कुमार ने विद्यार्थियों को रैगिंग विरोधी शपथ दिलाई। इस मौके पर डॉ. कविता शर्मा, डॉ. रचना गुलाटी, सुहानी मौजूद रहे। संवाद

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| दैनिक जागरण | 31.12.23 | 3 | 1-2 |

## हकृवि में विद्यार्थियों को दिलाई रैगिंग नहीं करने की शपथ

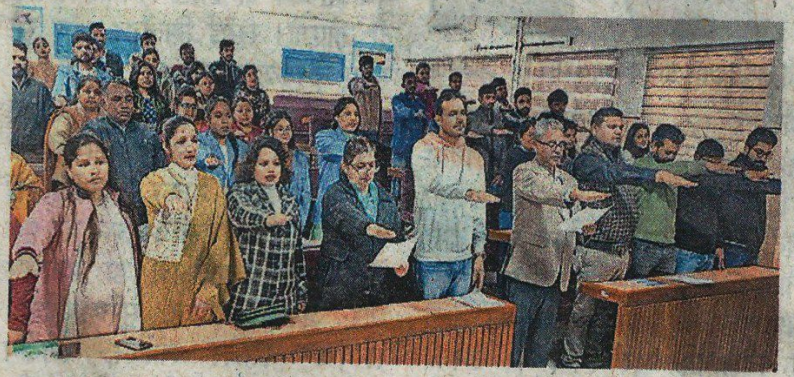

मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. नीरज कुमार विद्यार्थियों को रैगिंग विरोधी शपथ दिलाते हुए।

**जासं, हिसार** : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय में रैगिंग विरोधी जागरूकता अभियान चलाया गया। मुख्य अतिथि के रूप में उपरोक्त महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. नीरज कुमार रहे। मुख्यातिथि डा. नीरज कुमार ने शुरुआत में उपस्थित छात्र-छात्राओं को रैगिंग विरोधी शपथ दिलाई। डा. कविता शर्मा ने रैगिंग से संबंधित नियमावली पर विस्तार से प्रकाश डाला। मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय की प्रभारी डा. रचना गुलाटी आदि मौजूद थे।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| दैनिक भास्कर | 31.12.23 | 2 | 3 |

## रैगिंग न करने की दिलाई शपथ

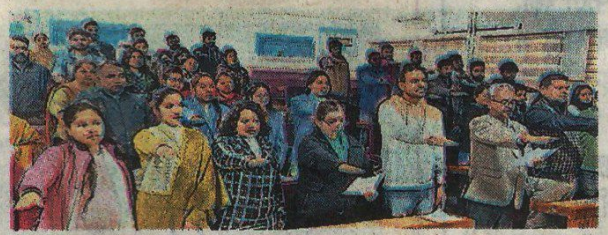

हिसार | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय में रैगिंग विरोधी जागरूकता अभियान चलाया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपरोक्त महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार रहे। रैगिंग विरोधी जागरूकता अभियान आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं को रैगिंग विरोधी कानूनों के बारे में जानकारी प्रदान कर उन्हें जागरूक करना था। इस दौरान रैगिंग ना करने की शपथ भी दिलाई गई।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| अजीत समाचार | 31.12.23 | 5 | 6-8 |

## रैगिंग विरोधी जागरूकता अभियान में विद्यार्थियों को दिलाई रैगिंग न करने की शपथ

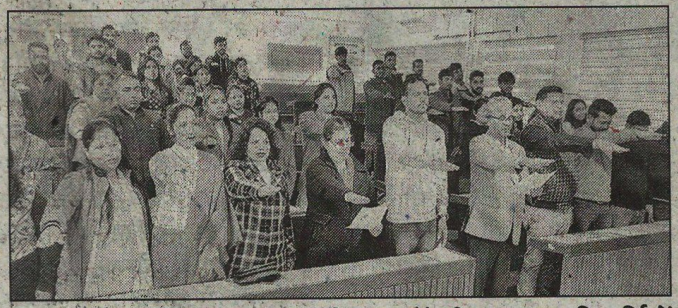

मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार विद्यार्थियों को रैगिंग विरोधी शपथ दिलाते हुए।

हिसार, 30 दिसम्बर (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय में रैगिंग विरोधी जागरूकता अभियान चलाया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपरोक्त महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार रहे। रैगिंग विरोधी जागरूकता अभियान आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं को रैगिंग विरोधी कानूनों के बारे में जानकारी प्रदान कर उन्हें जागरूक करना था। मुख्यातिथि डॉ. नीरज कुमार ने शुरुआत में उपस्थित छात्र-छात्राओं को रैगिंग विरोधी शपथ दिलाई। साथ ही कहा कि रैगिंग को जड़ से खत्म करना जरूरी है।

इसके लिए सरकारी-गैर सरकारी संगठन, शैक्षिक व गैरशैक्षणिक संस्थान, सरकारी प्राधिकरण व सिविल सोसाइटी को एक मंच पर आकर विद्यार्थी वर्ग को रैगिंग से दूर रहने के लिए प्रेरित करना चाहिए। शिक्षण संस्थानों में रैगिंग -विरोधी दस्तें व समितियां बनाकर रैगिंग पर निरंतर दृष्टि रखी जा सकती है। मुख्यातिथि ने छात्र-छात्राओं से आह्वान किया कि वे रैगिंग संबंधित कार्यों में शामिल न हो और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। डॉ. कविता शर्मा ने रैगिंग से संबंधित नियमावली पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने अपने संबोधन में भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा रैगिंग व उसके खिलाफ कानूनों को परिभाषित किया।

उन्होंने कहा कि रंग, नस्ल, धर्म, जाति, लिंग, यौन रूझान, रूप-रंग, राष्ट्रीयता, क्षेत्र मूल्य या आर्थिक पृष्ठभूमि सहित किसी भी मामले में छात्र-छात्राओं को शारीरिक व मानसिक रूप से उनका शोषण व दुर्व्यवहार करना रैगिंग की परिभाषा में आता है। इस अवसर पर उन्होंने हकृवि द्वारा रैगिंग पर अंकुश लगाने के लिए अपनाएं जा रहे यूजीसी दिशा-निर्देशों पर भी प्रकाश डाला। मंच संचालन छात्रा सुहानी ने किया इस अवसर पर मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय की प्रभारी डॉ. रचना गुलाटी सहित शिक्षक व गैरशिक्षक कर्मचारी व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| सिटी पल्स न्यूज | 30.12.2023 | -- | -- |

# हकृवि में अभियान चला विद्यार्थियों को दिलाई रैगिंग न करने की शपथ

**सिटी पल्स न्यूज, हिसार।** चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय में रैगिंग विरोधी जागरूकता अभियान चलाया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपरोक्त महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार रहे। रैगिंग विरोधी जागरूकता अभियान आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं को रैगिंग विरोधी कानूनों के बारे में जानकारी प्रदान कर उन्हें जागरूक करना था।

मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार विद्यार्थियों को रैगिंग विरोधी शपथ दिलाते हुए।

मुख्यातिथि डॉ. नीरज कुमार ने शुरुआत में उपस्थित छात्र-छात्राओं को रैगिंग विरोधी शपथ दिलाई। साथ ही कहा कि रैगिंग को जड़ से खत्म करना जरूरी है। इसके लिए सरकारी-गैर सरकारी संगठन, शैक्षिक व गैरशैक्षणिक संस्थान, सरकारी प्राधिकरण व सिविल सोसाइटी को एक मंच पर आकर विद्यार्थी वर्ग को रैगिंग से दूर रहने के लिए प्रेरित करना चाहिए। शिक्षण संस्थानों में रैगिंग - विरोधी दस्तें व समितियां बनाकर रैगिंग पर निरंतर दृष्टि रखी जा सकती है। मुख्यातिथि ने छात्र-छात्राओं से आह्वान किया कि वे रैगिंग संबंधित कार्यों में शामिल न हो और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

डॉ. कविता शर्मा ने रैगिंग से संबंधित नियमावली पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने अपने संबोधन में भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा रैगिंग व उसके खिलाफ कानूनों को परिभाषित किया। उन्होंने कहा कि रंग, नस्ल, धर्म, जाति, लिंग, यौन रूझान, रूप-रंग, गठीयता, क्षेत्र मूल्य या आर्थिक पृष्ठभूमि सहित किसी भी मामले में छात्र-छात्राओं को शारीरिक व मानसिक रूप से उनका शोषण व दुर्व्यवहार करना रैगिंग की परिभाषा में आता है। इस अवसर पर उन्होंने हकृवि द्वारा रैगिंग पर अंकुश लगाने के लिए अपनाए जा रहे यूजीसी दिशा-निर्देशों पर भी प्रकाश डाला। मंच संचालन छात्रा सुहानी ने किया।

इस अवसर पर मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय की प्रभारी डॉ. रचना गुलाटी सहित शिक्षक व गैरशिक्षक कर्मचारी व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| पांच बजे न्यूज | 30.12.2023 | -- | -- |

# हकृवि में विद्यार्थियों को दिलाई रैगिंग न करने की शपथ

पांच बजे न्यूज

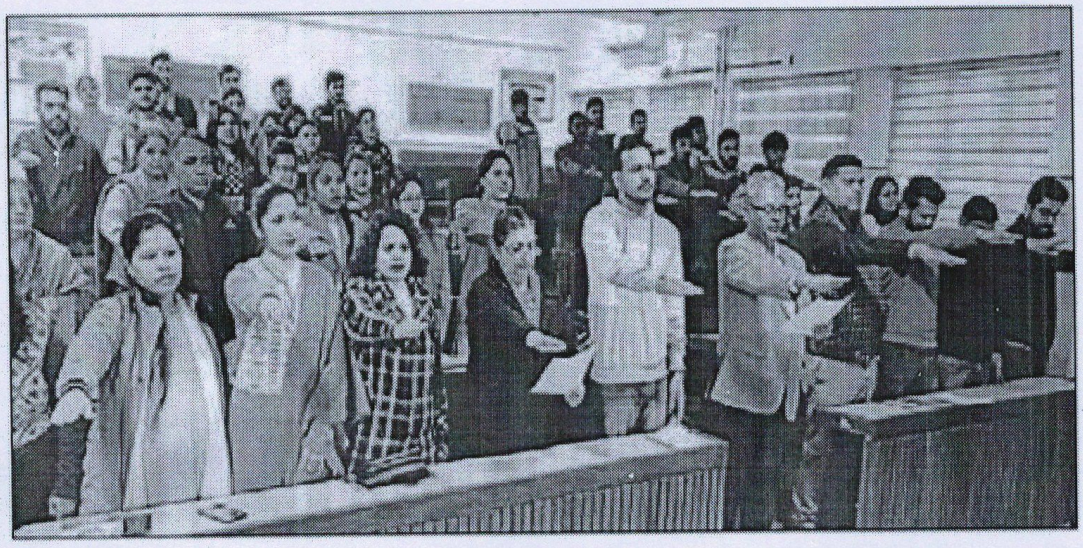

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय में रैगिंग विरोधी जागरूकता अभियान चलाया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपरोक्त महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार रहे। रैगिंग विरोधी जागरूकता अभियान आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं को रैगिंग विरोधी कानूनों के बारे में जानकारी प्रदान कर उन्हें जागरूक करना था।

मुख्यातिथि डॉ. नीरज कुमार ने शुरुआत में उपस्थित छात्र-छात्राओं को रैगिंग विरोधी शपथ दिलाई। साथ ही कहा कि रैगिंग को जड़ से खत्म करना जरूरी है। इसके लिए सरकारी-गैर सरकारी संगठन, शैक्षिक व गैरशैक्षणिक संस्थान, सरकारी प्राधिकरण व सिविल सोसाइटी को एक मंच पर आकर विद्यार्थी वर्ग को रैगिंग से दूर रहने के लिए प्रेरित करना चाहिए। शिक्षण संस्थानों में रैगिंग -विरोधी दस्तें व समितियां बनाकर रैगिंग पर निरंतर दृष्टि रखी जा सकती है। मुख्यातिथि ने छात्र-छात्राओं से आह्वान किया कि वे रैगिंग संबंधित कार्यों में शामिल न हो और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

डॉ. कविता शर्मा ने रैगिंग से संबंधित नियमावली पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने अपने संबोधन में भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा रैगिंग व उसके खिलाफ कानूनों को परिभाषित किया। उन्होंने कहा कि रंग, नस्ल, धर्म, जाति, लिंग, यौन रूझान, रूप-रंग, राष्ट्रीयता, क्षेत्र मूल्य या आर्थिक पृष्ठभूमि सहित किसी भी मामले में छात्र-छात्राओं को शारीरिक व मानसिक रूप से उनका शोषण व दुर्व्यवहार करना रैगिंग की परिभाषा में आता है। इस अवसर पर उन्होंने हकृवि द्वारा रैगिंग पर अंकुश लगाने के लिए अपनाए जा रहे यूजीसी दिशा-निर्देशों पर भी प्रकाश डाला। मंच संचालन छात्रा सुहानी ने किया।

इस अवसर पर मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय की प्रभारी डॉ. रचना गुलाटी सहित शिक्षक व गैरशिक्षक कर्मचारी व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| पाठकपक्ष न्यूज | 30.12.2023 | -- | -- |

## जल अमूल्य संसाधन, भावी-पीढ़ी के लिए इसे बचाना जरूरी : प्रो. बी. आर. काम्बोज

### हकृवि में जल संवाद : जल साक्षरता अभियान पर क्षमता निर्माण कार्यशाला का हुआ समापन

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 30 दिसम्बर : जल हमारे लिए अमूल्य संसाधन है, जिसका संरक्षण करना हम सभी का दायित्व है। हमें भावी-पीढ़ी के लिए जल को बचाने के लिए सभी को मिलकर कार्य करने की आवश्यकता है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय में जल संवाद : जल साक्षरता अभियान पर क्षमता निर्माण कार्यशाला के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय, हिसार के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल के निदेशक डॉ. प्रताप सिंह उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय, विभावाणी इंडिया एवं विज्ञान भारती के संयुक्त सहयोग से इस कार्यशाला का आयोजन किया गया था।

मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने जल संरक्षण पर उचित उपाय अपनाने पर जोर देते हुए कहा कि जल का दोहन यदि इसी तरह जारी रहा तो भविष्य में कृषि उत्पादन में 30 प्रतिशत तक गिरावट हो सकती है। जल संसाधनों का बेहतर प्रयोग, वाटरशेड विकास, वर्षा जल संचय तथा उन्नत तकनीकों को अपनाकर पानी का उचित प्रबन्ध करने की अति आवश्यकता है। उन्होंने बूंद-बूंद पानी का सदुपयोग करने के साथ जल उपयोग दक्षता के लिए टपका सिंचाई, फव्वारा सिंचाई तथा ऊर्जा उपयोग दक्षता के लिए ग्रीन हाउस गैस के उत्सर्जन को कम करना व श्रम उपयोग दक्षता के लिए उपयुक्त मशीनीकरण को अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि इसी कड़ी में विश्वविद्यालय की ओर से समय-समय पर जल संरक्षण कार्यक्रमों का आयोजन कर सभी को पानी की कम से कम खपत करने के लिए प्रेरित किया जाता है। मुख्यातिथि ने कार्यशाला में भाग ले रहे प्रतिभागियों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि उन्हें इस कार्यशाला एवं प्रशिक्षणों में प्राप्त जानकारी को फिल्ड में जाकर सीधे तौर पर आमजन से जुड़कर कृषि में जल की खपत को कम करें और अन्य लोगों को इस मुहिम से जुड़ने के लिए प्रेरित करें।

जल संरक्षण के लिए जल आंदोलन को जन आंदोलन बनाना जरूरी : मुख्य वक्ता डॉ. प्रताप सिंह

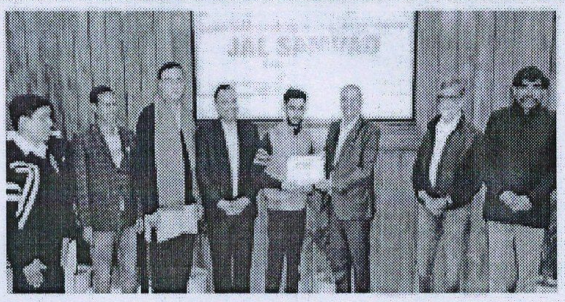


मुख्य वक्ता डॉ. प्रताप सिंह ने कहा कि जल संरक्षण के महत्व को समझाते हुए कहा कि भारत सरकार ने जल शक्ति मंत्रालय बनाया है, जिससे जल जीवन मिशन जैसी संबंधित मुहिम को रफ्तार मिल सकेगी।

इस मिशन के लिए भारत सरकार ने 50 बिलियन डॉलर का बजट भी अलॉट किया है। मुख्य वक्ता ने पानी की खपत को कम करने के लिए मुख्यतः चार आयामों पर काम करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि पहला जल संरक्षण, जिसमें हमें छोटे-छोटे तालाब, जोहड़ व जल भंडारों की संख्या बढ़ानी होगी ताकि अधिक से अधिक जल संचय किया जा सकें। क्योंकि भारत देश में बारिश का केवल 8 प्रतिशत जल का उपयोग होता है बाकि 92 प्रतिशत पानी बर्बाद हो जाता है। दूसरा पानी का संयम पूर्ण उपयोग एवं भोग, तीसरा पानी का पुनः उपयोग, और चौथा जल संचय में नई तकनीकों का उपयोग शामिल है। उन्होंने कहा भारत में जल स्त्रोत से लेकर नल तक पहुंचने तक करीब 40 प्रतिशत पानी बर्बाद हो जाता है। इसलिए हमें जल संरक्षण अभियान से जुड़कर दूसरों को उपरोक्त चारों आयामों का पालन करने के लिए प्रेरित करना चाहिए ताकि जल आंदोलन को जन आंदोलन बनाया जा सकें। उन्होंने विभावाणी द्वारा जल संरक्षण से जुड़ी मुहिम चलाने पर उनकी सराहना की। उन्होंने कहा कि इजराइल में केवल 100 मिली.लीटर वर्षा होती है, जबकि भारत में 1068 मिली.लीटर वर्षा होने के बावजूद इजराइल देश ने पानी को पीने योग्य बनाने के लिए अनेक अनुसंधान कर कई विकल्प तैयार किए है। हमें भी उनका अनुसरण करना चाहिए।

कार्यक्रम में मुख्यातिथि ने इस दो दिवसीय कार्यशाला में शामिल प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए। विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने सभी का स्वागत किया, जबकि विभावाणी के सचिव डॉ. जाकिर हुसैन ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। उपरोक्त निदेशालय की संयुक्त निदेशक डॉ. मंजू नागपाल ने मंच संचालन किया। इस अवसर पर विज्ञान भारती, हिसार के जिला समन्वयक डॉ. संजय बारूआ, विभावाणी के कार्यकारी निदेशक डॉ. एन.पी. राजीव, विभावाणी के चेयरमैन डॉ. सुनील चतुर्वेदी भी उपस्थित रहे। इसके अलावा विश्वविद्यालय के अधिकारीगण सहित इससे जुड़े समस्त महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, शिक्षाविद्, विद्यार्थीण सहित विभिन्न संगठनों के सदस्य भी शामिल रहे।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| चिराग टाइम्स | 30.12.2023 | -- | -- |

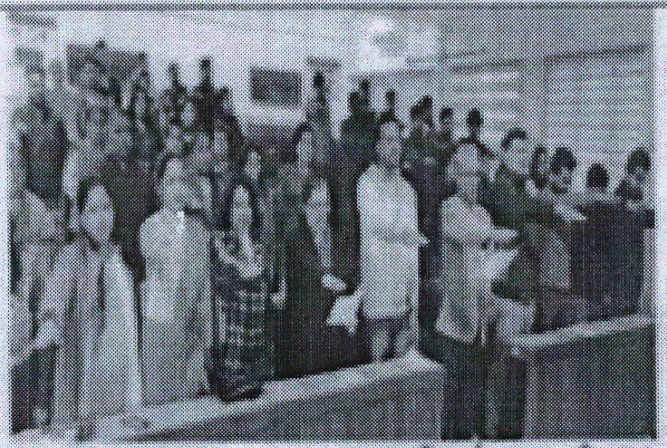

# हकृवि में आयोजित रैगिंग विरोधी जागरूकता अभियान में विद्यार्थियों को दिलाई रैगिंग न करने की शपथ

हिसार ( चिराग टाइम्स ) चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय में रैगिंग विरोधी जागरूकता अभियान चलाया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपरोक्त महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार रहे। रैगिंग विरोधी जागरूकता अभियान आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं को रैगिंग विरोधी कानूनों के बारे में जानकारी प्रदान कर उन्हें



जागरूक करना था। मुख्यातिथि डॉ. नीरज कुमार ने शुरुआत में उपस्थित छात्र-छात्राओं को रैगिंग विरोधी शपथ दिलाई। साथ ही कहा कि रैगिंग को जड़ से खत्म करना जरूरी है। इसके लिए सरकारी-गैर सरकारी संगठन, शैक्षिक व गैरशैक्षिक संस्थान, सरकारी प्राधिकरण व सिविल सोसाइटी को एक मंच पर आकर विद्यार्थी वर्ग को रैगिंग से दूर रहने के लिए प्रेरित करना चाहिए। शिक्षण संस्थानों में रैगिंग -विरोधी दलों व समितियां बनाकर रैगिंग पर निरंतर दृष्टि रखी जा सकती है। मुख्यातिथि ने छात्र-छात्राओं से आह्वान किया कि वे रैगिंग संबंधित कार्यों में शामिल न हों और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

डॉ. कविता शर्मा ने रैगिंग से संबंधित नियमावली पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने अपने संबोधन में भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा रैगिंग व उसके खिलाफ कानूनों को परिभाषित किया। उन्होंने कहा कि रंग, नस्ल, धर्म, जाति, लिंग, यौन रूझान, रूप-रंग, राष्ट्रीयता, क्षेत्र मूल्य या आर्थिक पृष्ठभूमि सहित किसी भी मामले में छात्र-छात्राओं को शारीरिक व मानसिक रूप से उनका शोषण व दुर्व्यवहार करना रैगिंग की परिभाषा में आता है। इस अवसर पर उन्होंने हकृवि द्वारा रैगिंग पर अंकुश लगाने के लिए अपनाए जा रहे यूजीसी दिशा-निर्देशों पर भी प्रकाश डाला। मंच संचालन छात्रा सुहानी ने किया।

इस अवसर पर मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय की प्रभारी डॉ. रचना गुलाटी सहित शिक्षक व गैरशिक्षक कर्मचारी व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।